Literacy for a Billion

Movie: Awaara
Year: 1951

Song: Awaara Hoon
Lyricist: Shailendra

आवारा हूँ
आवारा हूँ
या गर्दिश में हूँ
आसमान का तारा हूँ

आवारा हूँ
आवारा हूँ
या गर्दिश में हूँ
आसमान का तारा हूँ

आवारा हूँ

घरबार नहीं संसार नहीं
मुझसे किसीको प्यार नहीं
मुझसे किसीको प्यार नहीं

उस पार किसीसे मिलने का
इक़रार नहीं
मुझसे किसीको प्यार नहीं
मुझसे किसीको प्यार नहीं

सुनसान नगर अनजान डगर का
प्यारा हूँ
आवारा हूँ

आवारा हूँ
या गर्दिश में हूँ
आसमान का तारा हूँ

आवारा हूँ

आबाद नहीं बरबाद सही
गाता हूँ खुशी के गीत मगर
गाता हूँ खुशी के गीत मगर
ज़ख़्मों से भरा
सीना है मेरा
हँसती है मगर ये मस्त नज़र
दुनिया ...
दुनिया मैं तेरे तीर का
या तक़दीर का मारा हूँ

आवारा हूँ
आवारा हूँ
या गर्दिश में हूँ
आसमान का तारा हूँ

आवारा हूँ
आवारा हूँ
आवारा हूँ

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.